दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 10 सितंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 342

महत्वपूर्ण एवं खास

असम के मुख्यमंत्री पर एक शख्स ने किया हमला, माइक तोड़ने की कोशिश

नई दिल्ली (आरएनएस)। तेलंगाना दौरे पर गए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। जहां हैदराबाद में एक रैली में मंच पर अचानक एक व्यक्ति स्टेज पर चढ़ गया और उसने मंच पर लगे माइक को तोडऩे की कोशिश की। जब शख्स मंच पर चढ़ा तो माइक खोने के साथ उसने सीएम के साथ भिडऩे की भी कोशिश की। इस दौरान वहां मंच पर खड़े अन्य लोगों ने उसे पकड़ा और मच से नीचे उतारा। सीएम सरमा की सभा के दौरान टीआरएस कार्यकर्ताओं ने हंगामा भी किया। वहीं दावा यह भी किया जा रहा है कि मंच पर चढ़ा व्यक्ति टीआएस से जुड़ा हो सकता है। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने हैदराबाद में महालक्ष्मी मंदिर का दौरा किया। यहां से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार केवल देश और प्रजा के लिए होनी चाहिए। सरकार कभी भी परिवार के लिए नहीं होनी चाहिए। देश में उदारवाद और कट्टरवाद है और इन दोनों के बीच देश में ध्रुवीकरण हमेशा से है। इस दौरान उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर भी निशाना साधा।

बिजली की चपेट में आने से दो भाइयों समेत तीन की मौत

दमोह (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के दो अलग-अलग स्थानों पर गिरने से उसकी चपेट में आए तीन लोगों की मौत हो गई जिसमें से दो चचेरे भाई थे। पुलिस ने आज बताया कि बटियागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम आलमपुर की इंदिरा कॉलोनी निवासी दो चचेरे भाई गजेंद्र और ब्रजमोहन तेज बारिश के कारण एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए तभी बिजली गिरी और दोनों बुरी तरह झुलए गये, दोनों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ दोनों की मौत हो गयी। इसी प्रकार दूसरी घटना जिले के तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पिदरही तिराहा के पास हुई जहां पर एक साइकिल सवार बुजुर्ग टंटू आदिवासी जंगल से लकड़ी बीन कर ला रहा था। उसी समय अचानक रास्ते में बिजली उसके ऊपर गिरने से उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

नागौर जिले में क्रूजर और ट्रक की टक्कर में पांच श्रद्धालुओं की मौत

नागौर (आरएनएस)। राजस्थान में नागौर जिले के जायल इलाके में सुरपालिया थाना क्षेत्र में क्रूजर गाड़ी और ट्रक के टकराने से एक बच्चा एवं दो महिलाओं सहित पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि तेरह घायल हो गए। पुलिस के अनुसार सीकर जिले के आभावास गांव के ये लोग जैसलमेर जिले में स्थित रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेव मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे कि गुरुवार रात करीब साढ़े नौ बजे सुरपालिया थाना क्षेत्र में बुरडी फाटा पर उनकी क्रूजर गाड़ी सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में फूलचंद (32), रुकमा (27), कौशल्या में (25) एवं रोहिताश (25) तथा सात साल के हेमाराम की मृत्यु हो गई। हादसे में घायलों को नागौर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां गंभीर रूप से घायल लगभग आधा दर्जन लोगों को जोधपुर भेज दिया गया।

कार खाई में गिरी, 4 की मौत

ऋषिकेश (आरएनएस)। बदरीनाथ हाईवे पर नीरगड्डू के पास एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई, जिससे उसमें सवार चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि चालक समेत दो लोग घायल हो गए। घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। कार में सवार यात्री बदरीनाथ जा रहे थे। हादसे की वजह चालक को अचानक नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक सुबह सवा छह बजे हरिद्वार से एक कार महाराष्ट्र के 5 तीर्थयात्रियों को लेकर बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुई। सुबह करीब साढ़े सात बजे के आसपास ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर मुनिकीरेती थाना क्षेत्र के तपोवन से आगे नीरगड्डू के समीप कार खाई में जा गिरी। हादसा होते देख हाईवे से गुजर रहे लोगों ने मुनिकीरेती थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना पाकर एसडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर पहुंची और रेस्क्यू कर कार में सवार सभी गंभीर घायलों को खाई से बाहर निकाला। एसडीआरएफ निरीक्षक कविंद्र सिंह सजवाण ने बताया कि 108 आपातकालीन एंबुलेंस के माध्यम से सभी घायलों को ऋषिकेश सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि एक घायल यात्री ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि चालक और एक अन्य यात्री को ऋषिकेश एम्स में इलाज चल रहा है।

लंपी वायरस को फैलने से रोकने के लिए योगी सरकार बनाएगी इम्यून बेल्ट

लखनऊ (आरएनएस)। राज्य में जानवरों में लम्पी वायरस की बीमारी की जांच के लिए, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार पीलीभीत से इटावा तक 300 किलोमीटर लंबी इम्यून बेल्ट बनाने की योजना बना रही है। पांच जिलों के 23 ब्लॉक से गुजरने वाली इम्यून बेल्ट 10 किमी चौड़ी होगी। इसको लेकर पशुपालन विभाग की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विभाग की ओर से इम्यून बेल्ट के तहत निगरानी के लिए एक विशेष प्रवर्तन दल का गठन किया जाएगा।

टास्क फोर्स लम्पी वायरस से संक्रमित जानवरों की ट्रैकिंग और इलाज का काम संभालेगी।

इससे पहले 2020 में भी मलेशिया में जानवरों के संक्रमण को रोकने के लिए इसी तरह का प्रयास किया जा चुका है, जिसके परिणाम बेहद सकारात्मक रहे हैं।

यह वायरस उत्तर प्रदेश के 23 जिलों में फैल चुका है। इनमें से सबसे ज्यादा मामले अलीगढ़, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर में सामने आए हैं। वहीं मथुरा, बुलंदशहर, बागपत, हापुड़, मेरठ, शामली और बिजनौर में यह वायरस तेजी से फैल रहा है।

अब तक राज्य के 2,331 गांवों की 21,619 गायें लम्पी वायरस की चपेट में आ चुकी हैं, जिनमें से 199 की मौत हो चुकी है, जबकि 9,834 ठीक हो गई हैं।

जानलेवा वायरस पर काबू पाने के लिए योगी सरकार बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चला रही है। अब तक 5,83,600 से अधिक मवेशियों का टीकाकरण किया जा चुका है।

लम्पी वायरस के सबसे ज्यादा मामले राज्य के पश्चिमी जिलों में सामने आए हैं। इसी को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने पीलीभीत से इटावा तक करीब 300 किलोमीटर की दूरी 10 किलोमीटर चौड़ी इम्यून बेल्ट से तय करने की योजना तैयार की है।

यह इम्यून बेल्ट पीलीभीत जिले के बीसलपुर, बरखेड़ा, लालोरीखेड़ा, मरौरी और अमरिया विकास खंड खुदागंज, निगोही, सिधौली, भवाल खेड़ा, कांट, जलालाबाद और शाहजहांपुर जिले के मिर्जापुर विकास खंड, कैमगंज, फरुर्खाबाद जिले के ब्लॉक शमसाबाद और राजेपुर से होकर गुजरेगी।

यह मैनपुरी जिले के कुरावली, सुल्तानगंज और घिरौर ब्लॉक और इटावा के बधपुरा, जसवंतनगर, सैफई, बसरेहर और ताखा ब्लॉक तक पहुंचेगा।

पशुपालन विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार सितंबर का महीना बेहद संवेदनशील माना जाता है, इसलिए लम्पी वायरस के प्रसार को लेकर राज्य के 9 संभागों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाग में टीकों की कोई कमी नहीं है और 32 लाख से अधिक टीके प्राप्त हो चुके हैं। अब एक दिन में दो लाख टीके लगाने की तैयारी पूरी कर ली गई है, जिसे बढ़ाकर तीन लाख टीके प्रतिदिन किया जाएगा।

करोड़ों रुपये मूल्य के ब्राउन शुगर के साथ पांच कारोबारी गिरफ्तार

मोतिहारी (आरएनएस)। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के छतौनी थाना क्षेत्र के शिवम होटल के समीप छापेमारी कर करोड़ों रुपये मूल्य के ब्राउन शुगर के साथ पांच कारोबारियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ0कुमार आशीष ने अपने कार्यकाल कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को बताया कि सूचना मिली थी कि उक्त होटल के समीप एक कारोबारी भारी मात्रा में ब्राउन शुगर लेकर आनेवाला है, जहां से वह छोटे कारोबारियों को उपलब्ध कराने वाला है। इस पर छतौनी पुलिस अपनी सक्रियता दिखाते हुए तत्काल अपनी टीम के साथ उक्त स्थान की घेराबंदी कर दी। इसी दौरान कारोबारी आया और गिरफ्तार पांचों कारोबारियों को उक्त मादक पदार्थ उपलब्ध करा दिया और अपने वहां से भाग निकला। जैसे ही वह वहां से भागा कि पुलिस वहां पहुंच गयी और पांचों कारोबारियों को दबोच लिया।

डॉ. आशीषा ने बताया कि तलाशी के दौरान उनके पास से करीब एक किलो ब्राउन शुगर बरामद किया जिसका अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मूल्य करीब एक करोड़ रुपये है।पुलिस ने इस दौरान एक बाइक एवं चार मोबाइल बरामद किया है। पकडे गए कारोबारियों में पिपरा थाना क्षेत्र के कुंवर पुर निवासी अमन कुमार सिंह एवं जितेन्द्र सिंह, कल्याणपुर थाना क्षेत्र के दूबे कटहरिया निवासी ब्रजेश पाण्डेय, पिपरा थाना क्षेत्र के झंखरा गांव निवासी इंदल पासवान एवं शिवहर जिला के श्याम पुर भटहां थाना क्षेत्र के भोरहां गांव निवासी नथुनी राम बताया गया है।

मामले में छतौनी इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष विजय कुमार चौधरी के बयान पर उक्त कारोबारियों के विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत कांड संख्या 476/22 दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। छापेमारी में थानाध्यक्ष श्री चौधरी के अलावे पुअनि आफरीन गजाला, चंदन कुमार,अंगरक्षक गणेश कुमार सहित पुलिस बल शामिल थे।

विमान से भारत आएंगे 17 अफ्रीकाई चीते, प्रधानमंत्री मोदी छोड़ेंगे बाड़े में

श्योपुर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के चंबल संभाग के श्योपुर जिले स्थित कूनो पालपुर अभयारण्य में विमान से आ रहे दक्षिण अफ्रीकाई चीतों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को बाड़े में छोडक़र अपना जन्मदिन मनाएंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और चीतों के यहां आने के पहले जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कूनो नेशनल पार्क में कुल बीस चीते, जिसमें 12 दक्षिण अफ्रीका और आठ नामीबिया से लाकर बसाए जाने की खबरें हैं।

पहली खेप में नामीबिया से तीन चीते, जिसमें दो नर और एक मादा लाये जा रहे हैं। मोदी अपने जन्मदिवस पर इन्हें अभयारण्य के बाड़े में छोड़ेंगे। बाकी चीते बाद में यहां लाकर बाड़े में छोड़े जाने की योजना को मंजूरी मिली है।

अधिकृत जानकारी के अनुसार पांच सौ वर्ग किलोमीटर का चीतों के लिये बनाया गया विशेष बाड़ा पूरी तरह से तैयार है।इसी बाड़े के पास चार हेलीपेड बनाकर तैयार किये गए हैं, जिन पर चीतों को लाने वाला चॉपर उतरेगा। यहीं पर ही प्रधानमंत्री और अन्य विशेष अतिथियों के हेलीकॉप्टर उतरेंगे। हेलीपेड से तीन सौ मीटर की दूरी पर बाड़े का मुख्यद्वार है, जिससे प्रधानमंत्री मोदी चीतों को बाड़े में छोड़ेंगे।

नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने की आरोपी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को गिरफ्तार करने की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने अबू सोहेल की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि इस प्रकार की याचिका पर विचार करने के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। याचिकाकर्ता ने भाजपा से निष्कासित नूपुर शर्मा को पुलिस द्वारा गिरफ्तार नहीं किए जाने के बाद इस याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई थी। याचिका अस्वीकार किए जाने के बाद श्री सोहेल ने अपनी याचिका वापस ले ली।

ईडी की बड़ी रेड, 100 करोड़ की अघोषित आय का खुलासा, पांच करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। महाराष्ट्र में रेत खनन, चीनी उत्पादन, सडक़ निर्माण, हेल्थकेयर, और मेडिकल कॉलेजों का संचालन करने वाले दो समूहों पर आयकर विभाग द्वारा की गयी छापेमारी में 100 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्ति का पता चलने के साथ ही पांच करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति जब्त भी की गयी है।

आयकर विभाग ने आज यहां जारी बयान में बताया कि गत 25 अगस्त को सोलापुर, ओसमानाबाद, नासिक और कोल्हापुर जिलों में स्थित 20 से अधिक परिसरों पर एक साथ यह कार्रवाई की गयी थी। इस दौरान जो साक्ष्य और दस्तावेज आदि मिले हैं उससे बड़े पैमाने पर कर चोरी किये जाने का अनुमान है और इसके लिए कई तरीके भी अपनाये जाने का पता चला है।

रेत खनन और चीनी उत्पादन करने वाले समूह के यहां 15 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित नकदी बरामद हुयी है। समूह के प्रवर्तकों और इसके ऋण दाताओं ने स्वीकार किया है कि 10 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित नकदी बनायी गयी है। इसके साथ ही एक गैर पंजीकृत कंपनी की संपत्ति को बेचने से 43 करोड़ रुपये के पूंजीगत लाभ का भी साक्ष्य मिला है। विभाग ने कहा कि हेल्थकेयर और मेडकिल कॉलेज का संचालन करने वाले एक अन्य समूह के यहां से मिले साक्ष्यों से 35 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता चला है।

महारानी एलिजाबेथ के सम्मान में भारत में एक दिन का राजकीय शोक घोषित, आधा झुका रहेगा राष्ट्रध्वज

नई दिल्ली (आरएनएस)। ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के सम्मान में देश में रविवार को एक दिन का राजकीय शोक रहेगा और इस दिन राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरूवार को निधन हो गया और सरकार ने उनके सम्मान में देश भर में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है।

गृह मंत्रालय ने कहा है कि रविवार को देश भर में सभी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और उस दिन कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जायेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक जताया। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें हमारे समय की दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने अपने देश और लोगों को प्रेरक नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में गरिमा और शालीनता का परिचय दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, महामहिम महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को हमारे समय की एक दिग्गज के रूप में याद किया जाएगाज् उन्होंने सार्वजनिक जीवन में गरिमा और शालीनता का परिचय दिया। उनके निधन से आहत हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और ब्रिटेन के लोगों के साथ हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जताया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक व्यक्त किया गया है। श्रीमती मुर्मू ने ट्वीट कर कहा, ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन से दुनिया ने एक महान शख्सियत खो दी है। उन्होंने सात दशकों से अधिक समय तक अपने देश को चलाया और लोगों की सेवा की। मैं ब्रिटेन के लोगों के दुख को साझा करती हूं और उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 96 साल की उम्र में निधन हो गया।

दुनिया भर के नेताओं ने महारानी के निधन पर किया शोक व्यक्त

विश्वभर के नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने बिटेन की महारानी एलिजाबेथ 'द्वितीय' को श्रद्धांजलि दी है। महारानी(96) का कल निधन हो गया। इन नेताओं ने उनके कर्तव्य की गहरी भावना और उनके लचीलेपन के साथ ही साथ उनकी हास्य और दया की भावना का सम्मान किया है। सात दशकों तक सम्राट के रूप में ब्रिटिश रानी असाधारण परिवर्तन के दौर से गुजरी और यह उनको दी अनेक श्रद्धांजलियों में परिलक्षित हुआ है।

भारतीय सेना ने 'गगन शक्ति' से दिखाई अपनी ताकत, दुश्मन के बेड़े में रखा कदम

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पश्चिमी कमान ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सेना ने एक्स गगन स्ट्राइक एक्सरसाइज नाम से एक बड़ा एयरबोर्न इंसर्शन एंड कॉम्बैट ड्रिल किया है। पंजाब के पटियाला में सेना बलों और हेलीकॉप्टरों ने एक अभ्यास किया, जिसमें भारतीय सेना का दुश्मन के इलाके में प्रवेश दिखाया गया।

पश्चिमी कमान ने एक ट्वीट में कहा, पूर्व गगन स्ट्राइक ने दुश्मन के इलाके के अंदर स्ट्राइक बलों का समर्थन करने के लिए हैशटैग हेलीबोर्नऑप्स में आर्मी एविएशन के साथ जमीनी बलों के संयुक्त अभियानों का अभ्यास किया। रात में अभियान के तहत अटैक हेलीकॉप्टरों का संचालन किया गया। उन्होंने कहा, अभ्यास युद्धक तत्वों के बीच तालमेल हासिल करता है और इसका उद्देश्य भारतीय सेना की बेहतर आक्रामक क्षमता को बढ़ाना है।

छत्तीसगढ़ में कस्टम मिलिंग का चावल जमा कराने में रचा कीर्तिमान

- राज्य ने लक्ष्य का 91 फीसद यानि 59.39 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराया
- समय पर चावल जमा होने से मार्कफेड को मिला 8 हजार करोड़ रूपए अधिक, ब्याज में 100 करोड़ रूपए की भी हुई बचत
- केन्द्रीय पूल में जमा कराना है 65.21 लाख मीट्रिक टन चावल

रायपुर (आरएनएस)। केंद्रीय पूल में कस्टम मिलिंग का चावल जमा कराने के मामले में छत्तीसगढ़ रिकार्ड सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ में 65.21 लाख मीट्रिक टन चावल केन्द्रीय पूल में जमा कराने के लक्ष्य के विरूद्ध 9 सितम्बर की स्थिति में 59.39 लाख मीट्रिक टन चावल सीएमआर के रूप में केन्द्रीय पूल में जमा करा दिया है। ऐसा पहली बार हुआ है कि धान खरीदी के साथ-साथ युद्ध स्तर पर कस्टम मिलिंग कराकर छत्तीसगढ़ ने अपने कोटे का रिकार्ड चावल एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम को दे दिया है। यह छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों एवं दूरदर्शी निर्णयों के चलते संभव हो सका है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में राज्य में धान की खरीदी, कस्टम मिलिंग और केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने की चाक-चौबंद व्यवस्था से उपार्जित धान के नुकसान और सूखत से होने वाले नुकसान रूका है। केन्द्रीय पूल में सीएमआर का चावल बड़ी मात्रा में जमा होने से मार्कफेड को इस साल बीते वर्ष की तुलना में 8 हजार करोड़ रूपए का अधिक भुगतान प्राप्त हुआ है, जिसकी बदौलत बैंक ऋण की वापसी के चलते 100 करोड़ रूपए के ब्याज की भी बचत हुई है। मुख्यमंत्री ने राज्य में कस्टम मिलिंग और सीएमआर के रूप में केन्द्रीय पूल में रिकार्ड चावल जमा कराने की सफलता के लिए विभागीय अधिकारी को बधाई दी है।

खरीफ वर्ष 2021-22 में राज्य में सर्वाधिक धान उपार्जन का कीर्तिमान रचने के बाद साथ ही समितियों से धान का उठाव और केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी छत्तीसगढ़ ने एक नया कीर्तिमान रचा है। 9 सितम्बर की स्थिति में मिलर्स द्वारा 59.39 लाख मीट्रिक टन चावल एफसीआई और नान में जमा किया जा चुका है। मात्र 5.82 लाख मीट्रिक टन चावल सीएमआर में जमा किया जाना शेष है। कस्टम मिलिंग के लिए राज्य के मिलर्स को 97.30 लाख मीट्रिक टन धान प्रदाय किया गया है, जिसके एवज में मिलर्स को 65.25 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराना है। सितम्बर माह के अंत तक सीएमआर का चावल जमा कराने का लक्ष्य पूरा होने की उम्मीद है।

खाद्य विभाग के सचिव टी.के. वर्मा ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में 97.99 लाख मेट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर रिकार्ड खरीदी की गई। उपार्जित धान का समय पर उठाव व मिलिंग एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि इतनी वृहद मात्रा में उपार्जित धान का सुनियोजित रूप से उठाव व निराकरण न होने के फलस्वरूप इसके अमानक होने के साथ-साथ सूखत से भी बड़ी हानि होने की संभावना थी, किन्तु धान के उठाव व निराकरण के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन रणनीति तैयार कर इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। परिणाम स्वरूप खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में राज्य में पहली बार माह अप्रैल-मई में ही उपार्जन केन्द्रों से तथा जून माह में संग्रहण केन्द्रों में भंडारित धान की शत-प्रतिशत मात्रा का उठाव कर लिया गया। राज्य में पहली बार बारिश शुरू होने से पहले ही कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव पूरा कर लिया गया। उपार्जन केन्द्रों से सीधे मिलरों द्वारा धान का रिकार्ड उठाव करने के कारण परिवहन व्यय, सूखत की मात्रा एवं धान की सुरक्षा एवं रखरखाव के व्यय में भी बीते वर्षों की तुलना में बेहद कमी आई है।